

[This question paper contains 4 printed pages.]

(21)

Your Roll No. 2023

Sr. No. of Question Paper : 3155

E

Unique Paper Code : 62103410

Name of the Paper : Yoga Philosophy

Name of the Course : B.A. (Prog)

Semester : IV

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 75



Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt total **Five** questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

P.T.O.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. Describe the essence of *Yoga* in relation to valuing human life.

मानव जीवन को महत्व देने के संबंध में योग के सार का वर्णन कीजिए ।

2. Explain *Jnana Yoga*, *Karma Yoga* and *Bhakti Yoga* as a path to attain the intrinsic essence of oneself.

स्वयं के आंतरिक सार को प्राप्त करने के मार्ग के रूप में ज्ञान योग, कर्म योग और भक्ति योग की व्याख्या करें ।

3. “Bisexuality is a gift of nature, inherently, present in all human being...” Explain with reference to *Vipassanā*.

“उभयलिंगी प्रकृति का एक उपहार है, स्वाभाविक रूप से, सभी मनुष्यों में मौजूद है...” विपश्यना के संदर्भ में स्पष्ट करें।

4. Explain Jaina theory of *Panchmahāvratā*.

जैन के पंचमहाव्रत के सिद्धांत की व्याख्या कीजिए।

5. Describe *Aṣṭāṅga Yoga* according to *Patañjali* and discuss its relevance in the present scenario.

पतंजलि के अनुसार अष्टांग योग का वर्णन कीजिए तथा वर्तमान परिदृश्य में इसकी प्रासंगिकता पर चर्चा कीजिए।

6. Analyse *Niṣkāma Karma Yoga* according to *Bhagwatgītā*.

भगवद्गीता के अनुसार निष्काम कर्म योग का विश्लेषण कीजिए।

7. Write short notes on any **two** :

किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(a) *Citta-Vritti-Nirodha*

चित्त - वृत्ति - निरोध

(b) *Samatha and Vipassanā*

समता और विपश्यना

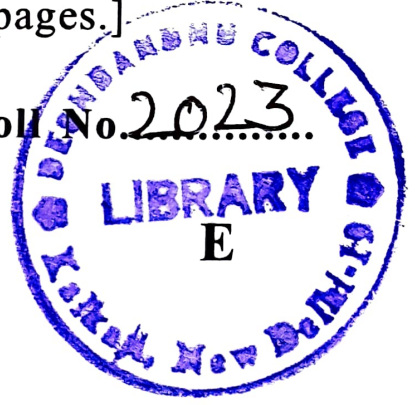
(c) *Yama and Niyama*

यम और नियम

[This question paper contains 4 printed pages.]

(22)

Your Roll No. 2023



Sr. No. of Question Paper : 3416

Unique Paper Code : 62104407

Name of the Paper : Modern Western Philosophy

Name of the Course : B.A. (Prog) (CBCS)
PHILOSOPHY

Semester : IV

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt any **Five** questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

2. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
4. उत्तर अंग्रेजी या हिंदी में लिखे जा सकते हैं; लेकिन पूरे पेपर में एक ही माध्यम का उपयोग किया जाना चाहिए ।

1. Explain the difference between empiricism and rationalism.

अनुभववाद और तर्कवाद के बीच अंतर स्पष्ट करें ।

2. Discuss Descartes' method of doubt and its relevance in philosophy.

डेसकार्टेस की सदेह पद्धति और दर्शन में इसकी प्रासंगिकता पर चर्चा करें ।

3. How does Gilbert Ryle criticize Descartes' mind-body dualism? Discuss.

गिल्बर्ट राइल डेसकार्टेस के मन-शरीर द्वैतवाद की आलोचना कैसे करता है? चर्चा करना ।

4. Explain Spinoza's concept of substance.

स्पिनोज़ा की पदार्थ की अवधारणा को समझाइए ।

5. Elaborate Leibnitz's theory of monads.

लिबनिट्ज के भिक्षुओं के सिद्धांत को विस्तृत करें ।

6. Critically examine Locke's rejection of Innate Ideas.

लोके के सहज विचारों की अस्वीकृति का समालोचनात्मक परीक्षण करें ।

7. Explain George Berkeley critique of Locke's theory of Material substance.

लॉक के भौतिक पदार्थ के सिद्धांत की जॉर्ज बर्कले आलोचना को समझाइए ।

8. Discuss Hume's skepticism in the light of causal elation between two events.

दो घटनाओं के बीच कार्य-कारण संबंध के आलोक में ह्यूम के संशयवाद की विवेचना कीजिए ।

9. Discuss the classification of propositions according to Kant.

कांट के अनुसार तर्कवाक्यों के वर्गीकरण की विवेचना कीजिए ।